"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 जुलाई,– 31 जुलाई, 2025 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 अंकः 01 पृष्ठः 08

संरक्षक

कर्नल डॉ0 बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

संपादक
डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

प्रकाशक
श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

सम्पादकीय मण्डल
डॉ. राज नारायण पाण्डेय,
डॉ. अनुराग सिंह,
श्री छितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन
रिंका वर्मा, अर्पिता तिवारी, शगुन जायसवाल, दयानंद तिवारी, नावेन्द्र प्रताप सिंह, महिमा पाण्डेय

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।
Avadhuniversity@gmail.com

कुलपति की कलम से

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की "कोविदार न्यूज" पत्रिका में विश्वविद्यालय की विविध शैक्षिक गतिविधियों को समाहित किए जाने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। इस अवसर पर पत्रिका से जुड़े संपादक, प्रकाशक, संपादकीय मंडल, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। विश्वविद्यालय की पहचान उसकी कक्षाओं, शोध कार्यों, अकादमिक कार्यक्रमों, सेमिनारों, कार्यशालाओं एवं नवाचार आधारित गतिविधियों से बनती है। "कोविदार न्यूज" के माध्यम से इन शैक्षिक प्रयासों का दस्तावेजीकरण न केवल विश्वविद्यालय की अकादमिक उपलब्धियों को उजागर करेगा, बल्कि विद्यार्थियों को प्रेरित करने का कार्य भी करेगा। यह पत्रिका शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, संवादात्मक और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक और ज्ञान–आधारित युग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सतत शोध और कौशल विकास अत्यंत आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षिक गतिविधियों को एक मंच पर प्रस्तुत करना समय की आवश्यकता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और मूल्यपरक शिक्षा को बढ़ावा देगी।

मैं "कोविदार न्यूज" पत्रिका से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रयासों की सराहना करता हूँ और आशा करता हूँ कि यह पत्रिका विश्वविद्यालय की शैक्षिक चेतना, बौद्धिक ऊर्जा और प्रगतिशील सोच को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती रहेगी। इसके उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

शुभकामना संदेश

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की "कोविदार न्यूज" पत्रिका में विश्वविद्यालय की विविध शैक्षिक गतिविधियों को समाहित किए जाने का प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है। इस अवसर पर पत्रिका से जुड़े संपादक, प्रकाशक, संपादकीय मंडल, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसकी कक्षागत शिक्षण प्रक्रिया, शोध कार्यों, अकादमिक कार्यक्रमों, सेमिनारों, कार्यशालाओं तथा नवाचार आधारित गतिविधियों से होती है। "कोविदार न्यूज" पत्रिका के माध्यम से इन शैक्षिक प्रयासों का सुव्यवस्थित प्रस्तुतीकरण न केवल विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को रेखांकित करेगा, बल्कि विद्यार्थियों को प्रेरणा भी प्रदान करेगा। यह पत्रिका शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक संवादात्मक और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका विश्वविद्यालय की अकादमिक चेतना, अनुशासन एवं प्रगतिशील दृष्टिकोण को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती रहेगी। इसके उज्ज्वल भविष्य हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की "कोविदार न्यूज" पत्रिका में विश्वविद्यालय की विविध शैक्षिक गतिविधियों को समाहित किए जाने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। इस अवसर पर पत्रिका से जुड़े संपादक, प्रकाशक, संपादकीय मंडल, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रगति सुदृढ़ अकादमिक व्यवस्था के साथ–साथ सुव्यवस्थित वित्तीय प्रबंधन पर भी निर्भर करती है। शिक्षण, शोध, सेमिनार, कार्यशालाएँ एवं नवाचार आधारित गतिविधियाँ तभी प्रभावी रूप से संचालित हो पाती हैं, जब उनके लिए संसाधनों का समुचित और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। "कोविदार न्यूज" के माध्यम से इन शैक्षिक प्रयासों का दस्तावेजीकरण विश्वविद्यालय की योजनाओं, उपलब्धियों और विकास यात्रा को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करेगा।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका विश्वविद्यालय की अकादमिक चेतना, प्रगतिशील सोच और संस्थागत विकास को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त करेगी।

मैं इस पत्रिका से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रयासों की सराहना करता हूँ तथा इसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

श्री पूर्णेन्दु शुक्ला
वित्त अधिकारी

निर्माणाधीन परियोजनाओं में गुणवत्ता व मानकों का कड़ाई से अनुपालन हो: कुलाधिपति

07 जुलाई, 2025। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के आईईटी परिसर स्थित लवकुश एवं सरयू छात्रावास का निरीक्षण किया और छात्रों से संवाद कर स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। सरयू छात्रावास में निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेस एवं जलापूर्ति व्यवस्था की वस्तुस्थिति का जायजा लिया तथा अधिकारियों को तत्काल साफ–सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत कुलाधिपति ने नवीन परिसर में फार्मेसी भवन, निर्माणाधीन पुस्तकालय, चंदन का पौधा रोपित किया। तत्पश्चात मल्टीपरपज लेक्चर हॉल तथा सिविल उन्होंने नवीन परिसर में निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण परियोजनाओं का निरीक्षण किया। कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी तथा मानकों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। कुलाधिपति ने आईईटी लैब के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। साथ ही विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में विद्युत आपूर्ति, सीवरेज एवं छात्रों के लिए पेयजल व्यवस्था की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, सहायक अभियंता आर के सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन व कुलपति ने अधिकारियों के साथ नवीन परिसर में निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण और परिसर में पौध रोपित किया

इंडस्ट्री और शिक्षण संस्थान का आपस में हो समन्वय: प्रो. एम. जगदीश

स्थानीय स्तर पर उद्योगों को करें सपोर्ट: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

4 जुलाई 2025 को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज के संयुक्त तत्वावधान में यूजीसी प्रायोजित एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस "विकास 2025" का आयोजन स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन अध्यक्षता कर रहे यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार ने किया।

अपने संबोधन में प्रो. कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा को कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता से जोड़ना आवश्यक है। शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित न रहकर उद्योगों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। इसके लिए उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच समन्वय जरूरी है। उन्होंने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अंतर्गत 50 प्रतिशत प्रायोगिक शिक्षा पर जोर दिया।

स्वागत उद्बोधन में अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच की खाई को पाटने का माध्यम है। स्थानीय उद्योगों को सहयोग देने से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं रोजगार सृजन की दिशा में सोच विकसित करनी चाहिए। शैक्षिक विमर्श सत्र में यूजीसी के वाइस चेयरमैन प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने अलुमनी नेटवर्क को मजबूत करने परबल दिया। एनसीवीटी के अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस प्रो. निर्मलजीत सिंह कलसी ने उच्च शिक्षा में कौशल आधारित सुधार की आवश्यकता रेखांकित की। सम्मेलन में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल सहित कई विशेषज्ञों ने विचार रखे। सत्र का संचालन प्रो. नीलम पाठक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संयोजक प्रो. एस.एस. मिश्र ने किया।इस अवसर पर संयुक्त सचिव प्रो. अविरल कपूर, यूजीसी के कुल सचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी अनूप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. विनोद चौधरी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अवध विवि में कॉन्फ्रेंस "विकास 2025" के दौरान कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार का स्वागत किया

कुलपति ने छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

17 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के अहिल्याबाई होल्कर एवं आचार्य नरेंद्र देव महिला छात्रावास का कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गंगा, जमुना व सरस्वती ब्लॉक में छात्राओं से संवाद कर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली तथा मेस के भोजन की गुणवत्ता परखी। परिसर की साफ–सफाई के निर्देश भी दिए। निरीक्षण में संबंधित अधिकारी व वार्डन उपस्थित रहे।

बीकॉम छठे सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित

01 जुलाई, 2025। अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीकॉम छठे सेमेस्टर सत्र 2024–25 का परीक्षाफल घोषित किया। विवि के परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि बीकॉम छठे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.rmlau.ac.in पर उपलब्ध हैं।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

भारत की नई शिक्षा नीति मानव पूंजी को करेगी सशक्तः कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

शिक्षा के साथ उद्यमी बने युवाः उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी

एजुकेशन और इंडस्ट्री के बीच हो अच्छी केमिस्ट्रीः प्रो. एम जगदीश

4 जुलाई 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में यूजीसी द्वारा प्रायोजित कॉन्फ्रेंस "विकास 2025" का समापन सत्र आयोजित किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि "विकास 2025" एक वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है, जो विकसित भारत की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से युवाओं को व्यावसायिक दक्षता और उद्यमिता से जोड़ना समय की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा केवल थ्योरी तक सीमित न रहकर युवाओं को इंडस्ट्री के लिए सक्षम बनाएगी। राष्ट्र निर्माण में युवाओं को कर्मयोगी बनना होगा।

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्रीमती रजनी तिवारी ने कहा कि प्रदेश संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर है। नई शिक्षा नीति दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जो युवाओं को शिक्षा के साथ उद्यमी बनने का अवसर प्रदान करेगी। स्वागत उद्बोधन में यूजीसी सचिव डॉ. मनीष जोशी ने कहा कि शिक्षा का स्वरूप समाज और देश की आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए। कृषि अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम जुड़ रहे हैं।

यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ इंडस्ट्री नॉलेज, प्रबंधन और सेवा क्षेत्र की दक्षता पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटने के लिए इंडस्ट्री और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। समापन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन यूजीसी के संयुक्त सचिव डॉ. अभिषेक कपूर ने किया। उन्होंने कहा कि भारत को पर अवर सचिव वीना मेनन, डॉ. ज्ञान के क्षेत्र में विश्व अग्रणी बनाने राधिका, कुलसचिव विनय कुमार

अवध विवि में कॉन्फ्रेंस "विकास 2025" के दौरान मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही,, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी , कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार मौजूद रहे

के लिए सभी को मिलकर कार्य सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, करना होगा। अतिथियों का स्वागत कॉन्फ्रेंस संयोजक प्रो.एसएस मिश्र, कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह द्वारा प्रो. यशवंत सिंह, प्रो. अनूप कुमार, स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम भेटकर प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो. हिमांशु किया गया। सत्र का संचालन प्रो. शेखर सिंह, प्रो. संजय पाठक एवं नीलम पाठक ने किया। इस अवसर प्रतिभागी मौजूद रहे।

सिंदूर शौर्य एवं शक्ति का प्रतीकः राज्य मंत्री रजनी तिवारी

4 जुलाई 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संयुतत्वावधान में यूजीसी द्वारा आयोजित विकास 2025 एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह के उपरांत परिसर में सिंदूर का पौधरोपण किया गया।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश श्रीमती रजनी तिवारी, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एम. जगदेश तथा कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह उपस्थित रहे। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने कहा कि सिंदूर शौर्य, शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक है। यह प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति से जुड़ा हुआ है और इसका इतिहास पांच हजार वर्ष से अधिक पुराना माना जाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय औषधीय शास्त्र, विशेषकर आयुर्वेद में सिंदूर का महत्वपूर्ण स्थान है तथा इसकी पत्तियां रक्त शोधन में सहायक होती हैं।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि सिंदूर का पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देता है। यह नारी शक्ति, देशभक्ति और सैनिकों के बलिदान को सम्मानित करने का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण एक छोटा लेकिन प्रभावी कदम है। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्द्र शुक्ल, प्रो. संजय पाठक, प्रो. एस. एस. मिश्र, प्रो.एसएस मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, डॉ. विनोद चौधरी एवं सहायक अभियंता आर.के. सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अवध विवि में "विकास 2025" के कॉन्फ्रेंस में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी व कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार द्वारा सिंदूर पौधा रोपित किया

पत्रकारिता के छात्र चन्द्रभूषण का भारतीय सूचना सेवा में चयन

07 जुलाई 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के छात्र चन्द्रभूषण मिश्र के भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय अंतर्गत भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) में जूनियर ग्रेड पद पर चयनित होने पर विभाग में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विभाग के समन्वयक प्रो. अनूप कुमार एवं डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने स्मृति

चिन्ह व अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. आरके सिंह, प्रो. गंगाराम मिश्र, ज्ञान प्रकाश टेकचंदानी 'सरल', डॉ0 आरएन पाण्डेय सहित विभाग के छात्र–छात्राओं में दयानदं तिवारी, नावेन्द्र प्रताप सिंह, महिमा पाण्डेय ने बधाई दी।

अयोध्या विश्व की सांस्कृतिक राजधानी: डा. अनिल मिश्र

29 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के तीर्थ यात्रियों का आगमन रोजगार और व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के उद्यमिता की व्यापक संभावनाओं को दर्शाता सभागार में "अयोध्या का समावेशी एवं है। एमबीए विभाग ऐसे युवा उद्यमी तैयार कर समतामूलक विकास" विषय पर एक दिवसीय रहा है, जो अयोध्या के विकास और गरिमा

अवध विश्वविद्यालय में "अयोध्या का समावेशी एवं समतामूलक विकास" विषय पर आयोजित कार्यशाला में अतिथिगण एवं प्रतिभागी

कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से डॉ. अनिल कुमार मिश्र, विशिष्ट अतिथि तीर्थ क्षेत्र के प्रबंधक गोपाल जी तथा पूर्व अध्यक्ष भारतीय महिला आयोग, दिल्ली ललिता कुमार मंगलम उपस्थित रहीं। डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि अयोध्या में बड़ी संख्या में

निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अयोध्या को विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बताया। विशिष्ट अतिथि गोपाल जी ने कहा कि नए उद्योगों पर निरंतर विचार कर प्रासंगिक योजनाओं को लागू किया जाए तो बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन संभव है। ललिता कुमार मंगलम ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उद्यमिता की चुनौतियों, व्यवसाय योजना, वित्तीय प्रबंधन और मा. जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर ने महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं पर जोर दिया। कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पत्रकारिता छात्र की पुस्तक का रक्षा मंत्री ने किया विमोचन

21 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के बैचलर ऑफ वोकेशन (जनसंचार एवं पत्रकारिता) सत्र 2021–2023 बैच के छात्र शैलेश यादव द्वारा रचित साहित्यिक उपन्यास 'चंद्रावती' का प्रकाशन पुस्तक भारती (बुक इंडिया), टोरंटो, कनाडा से हुआ है। इस पुस्तक का विमोचन भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया। छात्र की इस उपलब्धि पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बधाई देते हुए

पत्रकारिता छात्र द्वारा रचित पुस्तक 'चंद्रावती' का विमोचन

इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। विभागीय समन्वयक प्रो. अनूप कुमार ने बताया कि शैलेश यादव वर्तमान में जी मीडिया ग्रुप, नोएडा में कंटेंट राइटर के पद पर कार्यरत हैं। कम उम्र में साहित्यिक उपन्यास का लेखन पत्रकारिता के छात्रों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि उपन्यास 'चंद्रावती' को युवा साहित्य लेखन पुरस्कार हेतु प्रस्तावित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी,, डॉ. राज नारायण पाण्डेय ने बधाई दी।

ज्ञान परंपरा हमें वेदों एवं मनीषियों से प्राप्त हुई: प्रो. अम्बिका

16 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा "द इंडियन परस्पेक्टिव ऑफ इकोनॉमिक्स: एनालिटिक्स एंड रिलेवेंस" विषय पर विशिष्ट व्या ख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अम्बिका प्रसाद तिवारी रहे। उन्होंने कहा कि पूंजीवाद और समाजवाद दोनों ही भौतिकता को प्रधानता देते हैं, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा भौतिकता के साथ अध्यात्म को जोड़ती है। यह विचारधारा पैरेटो की इष्टतम अवधारणा को भी सिद्ध करती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के सिद्धांतों पर आधारित आर्थिक नीतियां ही विकसित और समृद्ध भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मृदुला मिश्रा ने किया। इस अवसर पर शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. प्रिया कुमारी, व अन्य शामिल रहे।

अवध विश्वविद्यालय में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान के दौरान संबोधित करते प्रो. अम्बिका प्रसाद तिवारी

अविवि में छात्रों को स्मार्टफोन वितरण

01 जुलाई, 2025। अवध विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के डीजी शक्ति योजना के तहत बीपीईएस एवं बीपीएड में अध्यनरत सत्र 2022–23 के 90 छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश सिंह ने बताया कि इस योजना से छात्राओं को डिजिटल युग के वर्तमान परिवेश से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. शैलेन वर्मा, कुमार मंगलम सिंह, आशुतोष सिंह, पल्लव पांडे, स्वतंत्र त्रिपाठी, नेहा सिंह दीपमणि मिश्रा उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन परियोजनाओं का कुलपति ने किया निरीक्षण

06 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के कुलपति उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलसचिव विनय डॉ. बिजेंद्र सिंह ने राजभवन के अधिकारियों के साथ नवीन परिसर में निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने फार्मेसी भवन, मल्टीप. रपज लेक्चर हॉल, आईटी कैंपस की सेंट्रल लैब, सरयू हॉस्टल तथा अतिथि गृहों का जायजा लिया। अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा गुणवत्ता व मानकों के कड़ाई से पालन के निर्देश दिए।

सरजू बॉयज हॉस्टल की मेस, जलापूर्ति, विद्युत, कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्द्र शुक्ल, प्रो एसएस सीवरेज व पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। मिश्र, डॉ विनोद चौधरी, सहायक अभियंता आरके इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षक सिंह व शिक्षक उपस्थित रहें।

अवध विवि में वायु गुणवत्ता निगरानी संयंत्र स्थापित

16 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से आमजन पर्यावरण विज्ञान विभाग की पहल पर प्रशासनिक भवन परिसर में वायु गुणवत्ता की निगरानी हेतु आधुनिक संयंत्र स्थापित किया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद चौधरी ने बताया कि कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की पहल से निरंतर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन स्थापित हुआ है। यह प्रणाली वर्ष भर 24 घंटे सक्रिय रहकर वास्तविक समय में वायु प्रदूषक एवं मौसमीय मापदंडों की निगरानी करेगी।

को भी आंकड़े उपलब्ध होंगे। इसके आधार पर जागरूकता कार्यक्रम, बुलेटिन जारी किए जाएंगे तथा भविष्य में इसे शहर के अन्य क्षेत्रों में विस्तार देने की योजना है।

शैक्षिक उन्नयन में संदर्भित पुस्तकों का लेखन जरूरी: प्रो. आशुतोष सिन्हा
गुणवत्तापरक मौलिक लेखन आज की आवश्यकता: प्रो. शैलेंद्र कुमार

02 जुलाई, 2025। अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा उत्तर प्रदेश उत्तराखंड आर्थिक संघ के संयुक्त तत्वाधान में सेमिनार हॉल में पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्षता करते हुए प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि संदर्भित पुस्तकों का शैक्षिक उन्नयन में महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।

पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह में अपने विचार रखते प्रो. आशुतोष सिन्हा एवं प्रो. शैलेंद्र कुमार

मुख्य अतिथि प्रो. शैलेंद्र कुमार ने गुणवत्ता परक शोध एवं मौलिक लेखन की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. सरिता द्विवेदी द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतीय चित्रकला एवं मूर्ति कला का अध्ययन' का विमोचन किया गया। प्रो. प्रिया कुमारी और डॉ. अलका श्रीवास्तव को शैक्षणिक सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि यह पुस्तक छात्रों के लिए उपयोगी है। उत्तर प्रदेश उत्तराखंड की क्षेत्रीय समन्वयक प्रो. मृदुला मिश्रा ने डॉ. द्विवेदी को राष्ट्रीय अधिवेशन में कला निधान पुरस्कार मिलने पर बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने किया। शिक्षिका रीमा सिंह, रचना श्रीवास्तव सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

एमआरएफ सहित प्रतिष्ठित कंपनियों में छात्रों का चयन

10 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 12 छात्रों का चयन प्रतिष्ठित कंपनी एमआरएफ लिमिटेड, गुजरात में ग्रेजुएट इंजीनियरिंग ट्रेनी पद पर हुआ है। चयनित छात्रों को संस्थान के निदेशक प्रो. संत शरण मिश्र ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के 8 विद्यार्थियों का चयन हस्क पावर सिस्टम एवं हाई फ्लो सिस्टम में ग्रेजुएट ट्रेनी पद के लिए हुआ है। छात्रों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलसचिव ने भी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। चयन प्रक्रिया संस्थान के प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. बृजेश भारद्वाज के निर्देशन में संपन्न हुई। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमआरएफ सहित विभिन्न कंपनियों में चयनित विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते निदेशक प्रो. संत शरण मिश्र

परिसर को स्वच्छ व हरा–भरा बनाएँ: कुलपति डॉ. बिजेंद्र

15 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर के विकास परियोजनाओं का कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुलपति ने कार्यदाई संस्था से जल निकासी, जल प्रबंधन, खेल मैदान एवं आवागमन के मार्गों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कुलपति ने फार्मेसी भवन, मल्टीपरपज हॉल के भवनों में चल रहे फिनिशिंग कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी आवास के निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के लिए तत्संबंधित को निर्देशित किया। कुलपति ने निरीक्षण समय परिसर को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाने के लिए अधिकारियों के साथ वार्ता भी की। निरीक्षण के दौरान कुलसचिव विनय कुमार सिंह, मुख्य नियंता प्रो. एसएस मिश्र, अन्य मौजूद रहे।

परिसर में स्वच्छता एवं हरियाली को लेकर निर्देश देते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

विकास–2025 के तहत एमबीए छात्रों के लिए पांच दिवसीय वर्कशॉप का शुभारंभ

03 जुलाई, 2025। अवध विश्वविद्यालय में यूजीसी प्रायोजित विकास द्2025 कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत एमबीए हॉस्पिटैलिटी एवं एमबीए टूरिज्म के छात्रों हेतु पांच दिवसीय वर्कशॉप का शुभारंभ किया गया।

एमबीए हॉस्पिटैलिटी व टूरिज्म छात्रों को प्रशिक्षण देते मुख्य अतिथि विजेंद्र गौड़

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रशिक्षक उडीपी होटल के फ्रंट ऑफिस मैनेजर विजेंद्र गौड़ रहे। प्रशिक्षण सत्र में उन्होंने अतिथि सत्कार, रूम प्रेजेंटेशन, शिष्टाचार एवं व्यवहार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि अतिथि पर प्रथम प्रभाव रूम की साफ–सफाई, सजावट, दरवाजे की सुरक्षा व्यवस्था और शांत वातावरण से पड़ता है। अतिथि को रूम की सुविधाओं और वाशरूम की जानकारी देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में अतिथि से आक्रामक व्यवहार नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे संस्थान की छवि प्रभावित होती है। विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इस वर्कशॉप में प्रो. नीलम पाठक, प्रो. शैलेंद्र वर्मा, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. आशीष पटेल, डॉ. महेन्द्र पाल सिंह सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश तिथि विस्तारित

17 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवासीय परिसर के विभिन्न परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश आवेदन की तिथि को विस्तारित कर दिया है। अब इच्छुक छात्र 25 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही प्रवेश परीक्षा की पूर्व संभावित तिथियों में भी परिवर्तन किया गया है। एलएलएम, एमएड, बीफॉर्मा, डीफार्मा जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा की तिथि 5 अगस्त को प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि अन्य विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रक्रिया को देखते हुए छात्र हित में परिसर के विभिन्न परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन आवेदन की तिथि विस्तारित की गई है। प्रवेश के लिए छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं इस संबंध में विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों को भी अवगत करा दिया गया है।

शारीरिक दक्षता परीक्षा सम्पन्न

28 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय में एमपीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा सम्पन्न हुई। छात्र वर्ग में 84 में से 40 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। परीक्षा का आयोजन प्रो. शैलेंद्र कुमार के समन्वय में बाह्य एवं आंतरिक वर्ग में 196 में से 100 तथा परीक्षकों द्वारा कराया गया।

एमओयू से विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों को मिलेगी आधुनिक कनेक्टिविटी: कुलपति

22 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय एवं सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फ्लिबनेट) के मध्य किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में इन्फ्लिबनेट की निदेशक प्रो. देविका पी. मदल्ली, अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं कुलसचिव विनय कुमार सिंह के मध्य एमओयू संपन्न हुआ।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि इस एमओयू से विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को आधुनिक सूचना तंत्र से जोड़ने में सहायता मिलेगी। इन्फ्लिबनेट के माध्यम से विश्वविद्यालय पुस्तकालय देश के अन्य प्रमुख पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों से उच्च गति डाटा नेटवर्क द्वारा जुड़ जाएगा, जिससे शिक्षण एवं शोध सामग्री साझा करने में सुविधा होगी। छात्रों और शोधार्थियों को शोध प्रबंध, पुस्तकें, पांडुलिपियां, ई–संसाधन, मल्टीमीडिया सामग्री तक ऑनलाइन पहुंच प्राप्त होगी। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि यूजीसी की ई–पीजी पाठशाला सहित उच्च गुणवत्ता वाली ई–सामग्री का लाभ छात्रों को मिलेगा। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल ने बताया कि शोध की प्रमाणिकता जांच के लिए अब एक ही प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा। इस अवसर पर राजभवन के पदाधिकारी, राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं कुलसचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में इन्फ्लिबनेट से अवध विश्वविद्यालय का एमओयू हस्ताक्षरित

जनकपुर–अयोध्या महामार्ग विश्व का प्राचीनतम महामार्ग: प्रो. हरिबंश

28 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में 'जनकपुर–अयोध्या महामार्ग की खोज' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. हरिबंश झा, सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड टेक्निकल स्टडीज, जनकपुर, नेपाल के कार्यकारी निदेशक थे। उन्होंने बताया कि रामायणकाल में जनकपुर और अयोध्या को जोड़ने वाला थलमार्ग वर्तमान परिवेश में चिन्हित करने की बृहद परियोजना पर कार्य चल रहा है। महाप्रभु श्रीराम का जन्म 17000 से 5000 ईसा पूर्व माना जाता है। इस मार्ग से श्रीराम की बारात मिथिला तक पहुँची थी। जनकपुर और अयोध्या एक ही अक्षांश रेखा पर स्थित हैं, जैसे केदारनाथ और रामेश्वरम एक ही देशांतर पर हैं। यह मार्ग दोनों स्थानों के मध्य व्यापार, वाणिज्य और वैवाहिक संबंधों को मजबूत करता था। प्रो. झा ने इस मार्ग पर पैदल चलकर प्रमुख स्थलों का चिन्हांकन किया और स्थानीय लोगों व बुजुर्गों से जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. संजय चौधरी ने अयोध्या की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. देवनरायण वर्मा ने प्रो. झा के शोध कार्य को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ माना। इस अवसर पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू के प्रो. शम्भूनाथ झा, डॉ. अवध नारायण, डॉ. देशराज उपाध्याय, शोधार्थी ज्ञान प्रकाश तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे। यह शोध नेपाल–अयोध्या संबंधों पर आगे के कार्य के लिए शोध छात्रों को प्रेरित करेगा। इस अवसर पर त्रिभुवन विश्वद्यिालय काठमण्डू के प्रो. शम्भूनाथ झा, डॉ. अवध नरायन, डॉ. देशराज उपाध्याय व अन्य उपस्थित रहे।

प्रो. हरिबंश झा अवध विश्वविद्यालय में 'जनकपुर–अयोध्या महामार्ग की खोज' विषय पर व्याख्यान देते हुए

पर्यावरण संरक्षण हमारी मानवीय जिम्मेदारी: कुलपति डॉ. बिजेन्द्र

09जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के बिजेंद्र सिंह ने वृक्षारोपण अभियान के किया। इस अभियान में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया। कुलपति ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इससे हम जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, कि हम समृद्ध और स्वच्छ पर्यावरण आने वाली पीढियों को सौंपे। संदेश देता है, कि वृक्ष लगाकर हम एक स्थाई स्मृति का निर्माण करें जो कि न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि हमारे समृद्ध भविष्य के निर्माण में सहयोग करेगा। इस अभियान में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने भी वृक्षारोपण कर प्रकृति को समृद्ध करने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. रंजन सिंह, उप कुलसचिव दिनेश कुमार मौर्य एवं सहायक कुलसचिव पीवी सावंत सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी व छात्र–छात्राएं शामिल रहे।

एक पेड़ माँ के नाम–कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह का हरित संदेश

मुख्य परिसर में कुलपति कर्नल डॉ. तहत एक पेड़ मां के नाम पर पौध रोपण इसी दिशा में एक पेड़ मां के नाम यह

प्रस्तावित स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो: कुलपति

17 जुलाई 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में क्रीड़ा परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रस्तावित स्टेडियम का निर्माण अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो जिससे भविष्य में भी खेलों की जरूरतें पूर्ण हो सके। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए बाहर से प्रशिक्षकों को भी बुलाया किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को अच्छे प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इससे पहले क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. आशीष प्रताप सिंह ने छात्रों के खेल कूद गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में स्पोर्ट्स स्टेडियम, ट्रैक एवं खेलकूद सुविधाओं के विकसित किए जाने के लिए प्रस्ताव पटल पर रखा। बैठक का संचालन डॉ. अमूल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, सदस्य कार्य परिषद प्रो. शोभा गौड़, सदस्य कार्य परिषद प्रो. केया पाण्डेय, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, सहायक अभियंता आरके सिंह, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. डॉ. अनुराग पांडेय, डॉ. अर्जुन सिंह, प्रिया कुमारी डॉ. महिमा चौरसिया, डॉ. कपिल राना उपस्थिति रही।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के स्टेडियम निर्माण पर क्रीड़ा परिषद की बैठक में मंथन

अविवि में छात्रों का बीएमआई परीक्षण सम्पन्न

28 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र में नव–प्रवेशित सभी छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कराया जाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने बताया कि कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में सभी नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण विश्वविद्यालय स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र की प्रभारी डॉ. दीप शिखा चौधरी की देखरेख कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य परीक्षण 28 जुलाई से 28 अगस्त तक कराया जाना है। स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी डॉ. दीपशिखा चौधरी ने कहा कि सभी छात्र–छात्राओं के बीएमआई परीक्षण के लिए परिसर के सभी विभागों को सूचित किया गया है। चिकित्सा केंद्र पर उपस्थित होने वाले सभी छात्र–छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर एक डेटाबेस तैयार किया जाएगा। प्रतिदिन 10–10 बच्चों का परीक्षण किया जाएगा इस प्रकार नव प्रवेशित दो हजार छात्र–छात्राओं का परीक्षण होना है। यदि किसी छात्र या छात्रा को स्वास्थ्य संबंधित कोई समस्या है तो उसके निदान के लिए और भी चिकित्सीय जांच कर उपचार किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल रहे।

अवध विवि में छात्रों का बीएमआई परीक्षण करते स्वास्थ्यकर्मी

इंटैक अयोध्या की टीम ने विवि में किया भ्रमण

13 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के स्थित कोशल संग्रहालय का भ्रमण इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटैक), नई दिल्ली की अयोध्या टीम ने किया। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह के निर्देशन में इंटैक अयोध्या चौप्टर की टीम ने संग्रहालय का अवलोकन किया तथा मंजुला झुनझुनवाला के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक भी की।

इंटैक अयोध्या टीम ने अवध विश्वविद्यालय के कोशल संग्रहालय का अवलोकन किया

इंटैक अयोध्या चैप्टर की संयोजिका मंजुला झुनझुनवाला ने संग्रहालय में अन्योन्य क्रियात्मक (इंटरएक्टिव) तत्वों को शामिल करने का सुझाव दिया और कहा कि राम मंदिर की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कोशल संग्रहालय का सांस्कृतिक व शैक्षिक महत्व और बढ़ गया है। संग्रहालय के समन्वयक डॉ. संजय चौधरी ने बताया कि संग्रहालय में मूर्तिकला वीथिका, पुरातत्व वीथिका एवं टेराकोटा आर्ट गैलरी में 300 वर्ष पुरानी हनुमान जी की प्रतिमा, 1500 वर्ष पुरानी भगवान ऋषभदेव की मूर्ति तथा लगभग ढाई हजार वर्ष पुराने मिट्टी के बर्तनों के अवशेष संरक्षित हैं। वीथिका सहायक डॉ. देशराज उपाध्याय ने टीम को संग्रहालय का भ्रमण कराते हुए पुरावशेषों की ऐतिहासिकता से परिचित कराया और शीघ्र ही जनजातीय गैलरी निर्माण की जानकारी दी। इस अवसर पर इंटेक के सदस्यों में सह संयोजक अनुजा श्रीवास्तव, वी के जोशी, सदस्यों में अल्का मिश्रा, मीरा सिंह व अन्य शामिल रही।

इग्नू जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश तिथि 31 जुलाई तक बढ़ी

18 जुलाई, 2025। अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र में जुलाई 2025 सत्र के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 तक बढ़ा दी गई है। छात्र स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा व प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों में इग्नू की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। (इग्नू) के अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 तक बढ़ा दी गई है।

कैंपस बुलेटिन

- 18 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय में भूजल सप्ताह के तहत पर्यावरण विज्ञान विभाग के ओर से परिसर में वृक्षारोपण किया गया।
- 24 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों की काउंसिलिंग शुरू हुई।
- 29 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक हाइब्रिड मोड में संपन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय से संबद्ध सात जनपदों से कार्यक्रम अधिकारी सम्मिलित हुए।
- 30 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय में बीपीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा संपन्न हुई जिसमें छात्र वर्ग में 53 पंजीकृत अभ्यार्थियों में से 25 अभ्यर्थी वहीं छात्रा वर्ग में 21 पंजीकृत अभ्यार्थियों में से 11 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।

सत्य के बिना पत्रकारिता अधूरी: प्रो0 गोविन्द जी

26 जुलाई, 2025। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता में 'पत्रकारिता में सत्यनिष्ठा व कर्तव्य' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष प्रो0 गोविन्द जी पाण्डेय ने कहा कि पत्रकारिता की आधारशिला सत्यनिष्ठा है। यदि पत्रकार अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार नहीं होगा, तो समाज को सही दिशा नहीं मिल सकती। उन्होंने पत्रकारिता के छात्रों से कहा कि आज फेक न्यूज और टीआरपी की होड़ ने पत्रकारिता की गरिमा को चुनौती दी है, ऐसे में पत्रकारों को आत्ममंथन करना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के समन्वयक प्रो0 अनूप कुमार ने की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को तथ्य आधारित रिपोर्टिंग करनी चाहिए और किसी भी दबाव या प्रलोभन में आए बिना सच को समाज के समक्ष रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता वह विधा है जो सामाजिक सरोकारों के उत्थान एवं प्रगति के लिए समर्पित रही है।

अविवि के पत्रकारिता विभाग में सत्यनिष्ठा और कर्तव्य पर संगोष्ठी

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि फिल्म एवं थिएटर विशेषज्ञ अरूण पाण्डेय ने यह नगरी प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली रही है। उन्होंने सदैव सत्य एवं आदर्श का अनुसरण किया और उसे कल्याण का मार्ग माना। पत्रकारिता रचना धर्मिता का पवित्रतम् कार्य है। सभी को तथ्य के सच्ची पत्रकारिता करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शिक्षक एवं पूर्व समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आएन पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

इसरो और डीआरडीओ ने दिया भारत को अभेद्य सुरक्षा चक्र: प्रो. घोष

14 जुलाई 2025। अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग में "सशक्त सुरक्षा एवं सुरक्षित राष्ट्र" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. प्रशांत कुमार घोष रहे। उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि ग्लोबल पावर इंडेक्स 2025 में सामरिक शक्ति के आधार पर अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथे स्थान पर है।

अविवि में सशक्त सुरक्षा एवं सुरक्षित राष्ट्र" विषय पर व्याख्यान का आयोजन

प्रो. घोष ने बताया कि पिछले दस वर्षों में भारत के रक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों की भागीदारी से रक्षा उत्पादन में तीन गुना से अधिक तथा रक्षा निर्यात में बारह गुना से अधिक वृद्धि हुई है। उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन इकाई की शुरुआत को ऐतिहासिक कदम बताया। डीआरडीओ और इसरो के नवाचारों से भारत का सुरक्षा कवच और अधिक मजबूत हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एआई और सैटेलाइट निर्देशित ब्रह्मोस एवं आकाश मिसाइलों की सफलता ने भारत की सैन्य क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सशक्त सेना अनिवार्य है और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इसका प्रमाण है। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. प्रिया कुमारी ने किया। कार्यक्रम में शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, डॉ. अलका श्रीवास्तव सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना में नए युग की शुरुआत: प्रो. मंजू सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए पूर्ण सहयोग और समर्पण का संकल्प: कुलसचिव

29 जुलाई, 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक हाइब्रिड मोड में संपन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय से संबद्ध सात जनपदों केएनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम काशुभारंभ एनएसएस के लक्ष्य गीत "उठें समाज के लिए उठें" से हुआ। मुख्य अतिथि राज्य संपर्क अधिकारी प्रो. मंजू सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अब नए युग में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने माई भारत पोर्टल, स्वयंसेवकों के ऑनलाइन प्रमाणपत्र, वित्तीय प्रबंधन एवं एनएसएस की नई दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम अधिकारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया।

अविवि में एनएसएस प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए पूर्ण सहयोग और समर्पण के लिए कृतसंकल्पित है तथा एनएसएस के सूत्रवाक्य "मैं नहीं, आप" को आत्मसात करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय निदेशक प्रतिनिधि श्री शुभंकर सिंह उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रकोष्ठ समन्वयक प्रो. अनुज कुमार पटेल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने किया।